IJCRT.ORG ISSN : 2320-2882

INTERNATIONAL JOURNAL OF CREATIVE RESEARCH THOUGHTS (IJCRT)

An International Open Access, Peer-reviewed, Refereed Journal

राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद–2014 के नए प्रावधानों के संदर्भ में बी. एड. शिक्षक–शिक्षा की पाठ्यचर्या के अंतर्गत इंटर्नशिप के क्रियान्वयन का अध्ययन

Vivek Kumar Yadav

Research Scholar, School of Education, DAVV, Indore

Prof. S. K. Tyagi

Former Head & Dept. School of Education, DAVV, Indore

प्रस्तावना

प्रस्तुत शोध पत्र राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद–2014 के नए प्रावधानों के पश्चात् बी. एड. शिक्षक–शिक्षा की पाठ्यचर्या के अभ्यास घटक के अंतर्गत इंटर्नशिप के क्रियान्वयन के संदर्भ में शिक्षक–प्रशिक्षकों के अभिमतों के मूल्यांकन से संबंधित है। देश के भविष्य को आकार देने वाले शिक्षक ही हैं, इसलिए विभिन्न आयोगों में अध्यापक शिक्षा पर महत्व दिया गया है। शिक्षक की शिक्षा के महत्व को देखते हुए सदैव प्रयत्न किया गया है। शिक्षक शिक्षा को उच्च शिक्षा में सम्मिलित कर एक स्वतंत्र विषय के रूप में मान्यता प्रदान की गई है। राष्ट्रीय आयोगों और समितियों ने शिक्षक शिक्षा के संदर्भ में महत्वपूर्ण अनुशंसाएँ दी है। साथ ही नई शिक्षा नीति–1986 तथा पुनरीक्षित शिक्षा नीति–1992 में भी शिक्षक शिक्षा में दूरगामी सुधार हेतु कई सुझाव दिए गये हैं। माननीय न्यायमूर्ति जे.ऐस.वर्मा आयोग के द्वारा शिक्षक शिक्षा के मानदण्डों, पाठ्यचर्या, आदि के बारे में अनुशंसाएँ दी गई हैं। इन अनुशंसाओं को कार्यरूप में परिवर्तित करने हेतु दिल्ली विश्वविद्यालय में शिक्षा विभाग के प्रोफेसर पूनम बत्रा की अध्यक्षता में गठित समिति ने माननीय न्यायमूर्ति जे.ऐस.वर्मा की सिफारशों के अनुरूप राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद् विनियम–2014 का प्रारूप प्रस्तावित किया। सत्र 2015 से शिक्षक शिक्षा के विभिन्न पाठयक्रम राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद् विनियम–2014 के अनुरूप ही संचालित किये जा रहे हैं, जिसके अंतर्गत शिक्षक शिक्षा में अभ्यास शिक्षण के अंतर्गत इंटर्नशिप को महत्व दिया गया है।

औचित्य

नवीन पाठ्यचर्या के लागू होने से यह आवश्यकता प्रतीत होती है कि जो शिक्षक शिक्षा के लिए नवीन मानक एवं मानदंड निर्धारित किए गये हैं उनका किस सीमा तक महाविद्यालयों द्वारा पालन किया जा रहा है तथा महाविद्यालयों के शिक्षकों एवं प्रधानाचार्यों को उन मानकों एवं मानदंडों का पालन करने में किन समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है? यह जानने के लिए नवीन द्वि–वर्षीय पाठ्यचर्या का आकलन किया जाना अत्यंत प्रासंगिक है। इसी कारण शोधार्थी द्वारा पूर्व शोध अध्ययनों की समीक्षा की गयी और यह पाया गया कि राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद्

विनियम– 2014 के संदर्भ में जो शोध अध्ययन किये गए हैं उनमें इंटर्नशिप से संबंधित बहुत कम शोध अध्ययन हुए हैं। कोहली (1971) ने पंजाब स्तर पर बीएड में शिक्षक शिक्षा के लिए पाठ्यक्रम के लिए मूल्यांकन किया एवं सुझाव दिया कि अभ्यास शिक्षण में परिवर्तन कर इंटर्नशिप अभ्यास शिक्षण किया जा सकता है, एवं वर्तमान एक वर्षीय प्रणाली के स्थान पर प्रशिक्षण की अवधि को दो वर्ष की जाना चाहिए। कक्कड़ (1983) ने पाया कि माध्यमिक शिक्षक शिक्षा कार्यक्रम की अवधि दो शैक्षणिक सत्र होनी चाहिए एवं शिक्षण पद्धति के लिए दो विषय होने चाहिए और प्रत्येक विषय के लिए पाठों की संख्या 15 होनी चाहिए। शिक्षण में इंटर्नशिप तीन महीने की अवधि के लिए शुरू की जानी चाहिए। हेममबुजम (1983) ने पाया कि शिक्षक शिक्षा कार्यक्रम की गुणवत्ता में सुधार लाने के लिए सहकारी विद्यालयों और शिक्षा महाविद्यालयों में तालमेल बिठाकर काम जाना चाहिए। अधिकारी (2017) ने पाया कि अधिकांश प्रशिक्षणार्थी मानते थे कि बी. एड. पाठ्यक्रम द्विबर्षीय होने से उन्हें शिक्षण शुल्क संबंधी समस्याओं का सामना कर पड़ रहा है एवं बिना किसी वृत्तिक सहायता के विद्यालयों में इन्टर्नशिप करना कठिन है। थॉमस एवं तेजवानी (2017) ने शोध अध्ययन में इन्टर्नशिप हेतु प्रशिक्षणार्थियों के प्रत्यक्षण सकारात्मक पाये। मंडल (2020) ने पाया कि दो वर्षीय बी.एड का संपूर्ण पाठ्यक्रम जवाबदेह शिक्षकों को तैयार करने हेतु प्रभावी है। अधिकांश प्रशिक्षणार्थी दो वर्षीय बी. एड. पाठ्यक्रम के प्रति अनुकूल नहीं थे। उपरोक्त समीक्षा से स्पष्ट है कि राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद् के मानक एवं मानदंडों–2014 के अभ्यास शिक्षण के अंतर्गत इंटर्नशिप क्रियान्वयन के संदर्भ में बहुत कम शोध अध्ययन किये गए हैं। अतः शोधार्थी द्वारा इस विषय का चयन किया गया।

उद्देश्य

प्रस्तुत शोध पत्र का उद्देश्य निम्न था–

राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद–2014 के आधार पर बी. एड. शिक्षक–शिक्षा की पाठ्यचर्या के अंतर्गत इंटर्नशिपके क्रियान्वयन के संदर्भ में शिक्षक–प्रशिक्षकों के अभिमतों का अध्ययन करना।

परिकल्पना

प्रस्तुत शोध पत्र की परिकल्पना निम्न थी–

राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद–2014 के आधार पर बी. एड. शिक्षक–शिक्षा की पाठ्यचर्या के अंतर्गत इंटर्नशिप के क्रियान्वयन के संदर्भ में शिक्षक–प्रशिक्षकों के अभिमतों में सार्थक अन्तर नहीं है।

जनसंख्या एवं न्यादर्श

प्रस्तुत शोध में जनसंख्या के रुप में मध्यप्रदेश एवं उत्तर प्रदेश के दो विश्वविद्यालयों के बी. एड. के महाविद्यालयों को सम्मिलित किया गया हैं। न्यादर्श हेतु मध्यप्रदेश के देवी अहिल्या विश्वविद्यालय इन्दौर से संबद्व 10 बी. एड. एवं उत्तरप्रदेश के दो विश्वविद्यालय वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर एवं राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय, अयोध्या के 10 बी. एड. महाविद्यालयों का चयन उद्देश्यपरक विधि से किया गया। प्रत्येक महाविद्याल05 शिक्षक प्रशिक्षकों का उपलब्धता के आधार पर चयन किया गया। बी. एड. पाठ्यचर्या के अभ्यास घटक के अंतर्गत इंटर्नशिप के क्रियान्वयन के संदर्भ में शिक्षक–प्रशिक्षकों के मत जानने हेतु क्रमश 100 शिक्षक–प्रशिक्षकों का चयन किया गया।

उपकरण

प्रस्तुत शोध अध्ययन में शोधकर्ता द्वारा बी. एड. पाठ्यचर्या के अभ्यास घटक के अंतर्गत इंटर्नशिप के क्रियान्वयन के संदर्भ में शिक्षक–प्रशिक्षकों के मत जानने के लिए प्रदत्त संकलन हेतु स्वनिर्मित क्रियान्वयन मापनी का निर्माण किया गया। मापनी में 14 कथनों का निर्माण किया गया। प्रत्येक कथन के समक्ष पाँच विकल्प पूर्णतः असहमत, असहमत, उदासीन, सहमत एवं पूर्णतः सहमत रखे गए।

प्रदत्तों का संकलन

प्रस्तुत शोध हेतु सर्वप्रथम सर्वप्रथम न्यादर्श में चयनित विश्वविद्यालय के शिक्षा विभागों के विभागाध्यक्षो से संपर्क कर शोधकर्ता द्वारा शोध के उद्देश्यों से अवगत कराया गया। शोध कार्य हेतु अनुमति प्राप्त की गयी। उन्हें अवगत किया गया कि शोध कार्य हेतु शिक्षक प्रशिक्षकों से प्रदत्त संकलन करना है। बी. एड. शिक्षक प्रशिक्षकों से पाठय्चर्या के अभ्यास (Practicum) घटक के अंतर्गत इंटर्नशिप से संबंधित प्रदत्त संकलन हेतु अनुमति प्राप्त कर क्रियान्वयन प्रभाव मापनी प्रशासित की गई। प्रदत्त संकलन के पश्चात् शिक्षक प्रशिक्षकों से प्राप्त प्रदत्तों का अंकन किया गया।

प्रदत्त विश्लेषण

शोध पत्र का उद्देश्य राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद–2014 के नए प्रावधानों के के आधार बी. एड. शिक्षक–शिक्षा की पा्ठ्यचर्या के अभ्यास घटक के अंतर्गत इंटर्नशिपके क्रियान्वयन के संदर्भ में शिक्षक–प्रशिक्षकों के अभिमतों का मूल्यांकनकरना था। इस उद्देश्य की पूर्ति हेतु इंटर्नशिप क्रियान्वयन मापनी के अंतर्गत 14 कथन रखे गए थे। मापनी में प्रत्येक कथन के सामने पाँच विकल्प दिये गए थे प्रदत्तों के विश्लेषण हेतु कथनवार काई वर्ग का प्रयोग किया गया जिसके परिणाम तालिका 1.0 से 14.1 में प्रस्तुत किए गये हैं–

कथन 1 विद्यालय स्थानबद्ध प्रशिक्षण के दौरान शिक्षक प्रशिक्षणार्थियों द्वारा मुख्यतः विषय की कक्षाओं का शिक्षण

तालिका 1.0

विद्यालय स्थानबद्ध प्रशिक्षण के दौरान शिक्षक प्रशिक्षणार्थियों द्वारा मुख्यतः विषय की कक्षाओं का शिक्षण के संदर्भ में शिक्षकों के मत हेतु काई वर्ग के मान

काई वर्ग	डी. एफ.	सार्थक मान
80.30[a]	4	0.000
a. 0 cells (0.0%) have expected frequencies less than 5. The minimum expected cell frequency is 20.0.		

तालिका 1.0 से विदित होता है कि स्वतंत्रांश (df)=4 पर काई वर्ग का मान 80.30 है, जिसका सार्थकता मान 0.000 है जो कि 0.01 से कम है, अतः 0.01 स्तर पर सार्थक है। अतः यह कहा जा सकता है कि उक्त कथन के प्रति शिक्षकों के मत समान नहीं है। इसलिए आगे यह देखने हेतु की किन वर्गों में यह अन्तर सार्थक है और किन में नहीं, मानकीकृत अवशिष्टों की गणना की गयी है, जिसे तालिका 1.1 में प्रस्तुत किया गया है।

तालिका 1.1

विद्यालय स्थानबद्ध प्रशिक्षण के दौरान शिक्षक प्रशिक्षणार्थियों द्वारा मुख्यतः विषय की कक्षाओं के शिक्षण के संदर्भ में शिक्षक प्रशिक्षकों के विकल्पवार मतों के मानकीकृत अवशिष्ट मान

	अवलोकित आवृत्ति	अपेक्षित आवृत्ति	अवशिष्ट	मानकीकृत अवशिष्ट
पूर्णतः असहमत	6	20	-14	-3.131
असहमत	8	20	-12	-2.683
उदासीन	4	20	-16	-3.578
सहमत	49	20	29	6.485
पूर्णतः सहमत	33	20	13	2.907
कुल	100			

तालिका 1.1से विदित होता है कि समस्त विकल्पों के मानकीकृत अवशिष्ट मान 2.58 से अधिक है अतः सभी मान 0.01 स्तर पर सार्थक है, उपरोक्त कथन के संदर्भ में सहमत एवं पूर्णतः सहमत विकल्प पर अपेक्षा से अधिक शिक्षकों ने

सहमति प्रदान की है जबकि पूर्णत असहमत, असहमत एवं उदासीन विकल्प पर अपेक्षा से कम शिक्षकों ने सहमति प्रदान की है। निष्कर्षतः कह सकते हैं कि शिक्षक मानते हैं कि विद्यालय स्थानबद्ध प्रशिक्षण के दौरान शिक्षक प्रशिक्षणार्थियों द्वारा मुख्यतः विषय की कक्षाओं का शिक्षण कराया गया था।

कथन 2 इन्टर्नशिप के दौरान शिक्षक प्रशिक्षणार्थियों को कार्यालयीन कार्यों का कौशल प्राप्त करने के पर्याप्त अवसर

तालिका 2.0

इन्टर्नशिप के दौरान शिक्षक प्रशिक्षणार्थियों को कार्यालयीन कार्यों का कौशल प्राप्त करने के पर्याप्त अवसर *मिलने के संदर्भ में शिक्षकों के मत हेतु काई वर्ग के मान*

काई वर्ग	डी. एफ.	सार्थक मान
107.70[a]	4	0.000
a. 0 cells (0.0%) have expected frequencies less than 5. The minimum expected cell frequency is 20.0.		

तालिका 2.0 से विदित होता है कि स्वतंत्रांश (df)=4 पर काई वर्ग का मान 107.70 है, जिसका सार्थकता मान 0.000 है जो कि 0.01 से कम है, अतः 0.01 स्तर पर सार्थक है। अतः यह कहा जा सकता है कि उक्त कथन के संदर्भ में बी. एड. शिक्षकों के मत समान नहीं थे। आगे यह देखने हेतु की किन वर्गों में यह अन्तर सार्थक है और किन में नहीं, जिसके लिए मानकीकृत अवशिष्टों की गणना की गयी है, जिसे तालिका 2.1 में प्रस्तुत किया गया है।

तालिका 2.1

इन्टर्नशिप के दौरान शिक्षक प्रशिक्षणार्थियों को कार्यालयीन कार्यों का कौशल प्राप्त करने के पर्याप्त अवसर *मिलने के संदर्भ में शिक्षकों के विकल्पवार मतों के मानकीकृत अवशिष्ट मान*

	अवलोकित आवृत्ति	अपेक्षित आवृत्ति	अवशिष्ट	मानकीकृत अवशिष्ट
पूर्णतः असहमत	6	20	-14	-3.131
असहमत	3	20	-17	-3.801
उदासीन	2	20	-18	-4.025
सहमत	53	20	33	7.379
पूर्णतः सहमत	36	20	16	3.5778
कुल	100			

तालिका 2.1 से विदित होता है कि समस्त विकल्पों के मानकीकृत अवशिष्ट मान 2.58 से अधिक है अतः सभी मान 0. 01 स्तर पर सार्थक है, उपरोक्त कथन के संदर्भ में सहमत एवं पूर्णतः सहमत विकल्प पर अपेक्षा से अधिक शिक्षकों ने सहमति प्रदान की है जबकि पूर्णत असहमत, असहमत एवं उदासीन विकल्प पर अपेक्षा से कम शिक्षकों ने सहमति प्रदान की है। निष्कर्षतः कह सकते हैं कि शिक्षक मानते हैं कि "इन्टर्नशिप के दौरान शिक्षक प्रशिक्षणार्थियों को कार्यालयीन कार्यों का कौशल प्राप्त करने के पर्याप्त अवसर मिले थे।

कथन 3 शिक्षक प्रशिक्षणार्थियों को इन्टर्नशिप के दौरान महाविद्यालय के शिक्षकों का पर्याप्त मार्गदर्शन नहीं मिलना

तालिका 3.1

शिक्षक प्रशिक्षणार्थियों को इन्टर्नशिप के दौरान महाविद्यालय के शिक्षकों का पर्याप्त मार्गदर्शन नहीं मिलनेके संदर्भ में शिक्षकों के मत हेतु काई वर्ग के मान

काई वर्ग	डी. एफ.	सार्थक मान
75.50[a]	4	0.000
a. 0 cells (0.0%) have expected frequencies less than 5. The minimum expected cell frequency is 20.0.		

तालिका से विदित होता है कि स्वतंत्रांश (df)=4 पर काई वर्ग का मान 75.50 है, जिसका सार्थकता मान 0.000 है जो कि 0.01 से कम है, अतः 0.01 स्तर पर सार्थक है। अतः उक्त कथन के संदर्भ में बी. एड. शिक्षकों के मत समान नहीं

थे।" आगे यह देखने हेतु की किन वर्गों में यह अन्तर सार्थक है और किन में नहीं, जिसके लिये अवशिष्टों की गणना की गयी है, जिसे तालिका 3.1 में प्रस्तुत किया गया है।

तालिका 3.1

शिक्षक प्रशिक्षणार्थियों को इन्टर्नशिप के दौरान महाविद्यालय के शिक्षकों का पर्याप्त मार्गदर्शन नहीं मिलने के संदर्भ में शिक्षकों के विकल्पवार मतों के मानकीकृत अवशिष्ट मान

	अवलोकित आवृत्ति	अपेक्षित आवृत्ति	अवशिष्ट	मानकीकृत अवशिष्ट
पूर्णतः असहमत	35	20	15	3.354
असहमत	46	20	26	5.814
उदासीन	3	20	-17	-3.801
सहमत	12	20	-8	-1.789
पूर्णतः सहमत	4	20	-16	-3.578
कुल	100			

तालिका 3.1 से विदित होता है कि मात्र एक विकल्प सहमत को छोड़कर अन्य चार विकल्पों के मानकीकृत अवशिष्ट मान 2.58 से अधिक है अतः सभी मान 0.01 स्तर पर सार्थक है, उपरोक्त कथन के संदर्भ में असहमत एवं पूर्णतः असहमत विकल्प पर अपेक्षा से अधिक शिक्षकों ने सहमति प्रदान की है जबकि सहमत, पूर्णत सहमत एवं उदासीन विकल्प पर अपेक्षा से कम शिक्षकों ने सहमति प्रदान की है। निष्कर्षतः कह सकते हैं कि अधिकांश शिक्षक मानते हैं कि *शिक्षक प्रशिक्षणार्थियों को इन्टर्नशिप के दौरान महाविद्यालय के शिक्षकों का पर्याप्त मार्गदर्शन प्राप्त हुआ था।*

कथन 4 इन्टर्नशिप कार्यक्रम अपने उद्देश्यों को पूर्ण करने में सफलता

तालिका 4.0

इन्टर्नशिप कार्यक्रम अपने उद्देश्यों को पूर्ण करने में सफलता के संदर्भ में शिक्षकों के मत हेतु काई वर्ग के मान

काई वर्ग	डी. एफ.	सार्थक मान
69.10[a]	4	0.000
a. 0 cells (0.0%) have expected frequencies less than 5. The minimum expected cell frequency is 20.0.		

तालिका से विदित होता है कि स्वतंत्रांश (df)=4 पर काई वर्ग का मान 69.10 है, जिसका सार्थकता मान 0.000 है जो कि 0.01 से कम है, अतः 0.01 स्तर पर सार्थक है। अतः कथन के संदर्भ में बी. एड. शिक्षकों के मत समान नहीं थे।" आगे यह देखने हेतु की किन वर्गों में यह अन्तर सार्थक है और किन में नहीं, जिसके लिये अवशिष्टों की गणना की गयी है, जिसे तालिका 4.1 में प्रस्तुत किया गया है।

तालिका 4.1

इन्टर्नशिप कार्यक्रम अपने उद्देश्यों को पूर्ण करने में सफलता के संदर्भ में शिक्षकों के विकल्पवार मतों के मानकीकृत अवशिष्ट मान

	अवलोकित आवृत्ति	अपेक्षित आवृत्ति	अवशिष्ट	मानकीकृत अवशिष्ट
पूर्णतः असहमत	5	20	-15	-3.354
असहमत	9	20	-11	-2.460
उदासीन	10	20	-10	-2.236
सहमत	50	20	30	6.708
पूर्णतः सहमत	26	20	6	1.342
कुल	100			

तालिका 4.1 से विदित होता है कि सहमत एवं पूर्णतः असहमत के मानकीकृत अवशिष्ट मान 2.58 से अधिक है जो कि 0.01 स्तर पर सार्थक है, एवं असहमत एवं उदासीन के मानकीकृत अवशिष्ट मान 1.96 एवं 2.58 के मध्य हैं अतः 0.05 पर सार्थक हैं, उपरोक्त कथन के संदर्भ में सहमत एवं पूर्णतः सहमत विकल्प पर अपेक्षा से अधिक शिक्षकों ने सहमति प्रदान की है जबकि असहमत, पूर्णत असहमत एवं उदासीन विकल्प पर अपेक्षा से कम शिक्षकों ने सहमति प्रदान की है। निष्कर्षतः कह सकते हैं कि अधिकांश शिक्षक मानते हैं कि *इन्टर्नशिप कार्यक्रम अपने उद्देश्यों को पूर्ण करने में सफल रहा।*

कथन 5 कार्यक्रम का संचालन प्रमुखतः महाविद्यालय द्वारा स्नातकोत्तर (एम. एड.)/शोध छात्रों पर छोड देने से कार्यक्रम की गुणवत्ता से समझौता किया गया

तालिका 5.0

कार्यक्रम का संचालन प्रमुखतः महाविद्यालय द्वारा स्नातकोत्तर (एम. एड.)/शोध छात्रों पर छोड देने से कार्यक्रम की गुणवत्ता से समझौता किया गया के संदर्भ में शिक्षकों के मत हेतु काई वर्ग के मान

काई वर्ग	डी. एफ.	सार्थक मान
22.60[a]	4	0.000
a. 0 cells (0.0%) have expected frequencies less than 5. The minimum expected cell frequency is 20.0.		

तालिका से विदित होता है कि स्वतंत्रांश (df)=4 पर काई वर्ग का मान 22.60 है, जिसका सार्थकता मान 0.000 है जो कि 0.01 से कम है, अतः 0.01 स्तर पर सार्थक है। अतः शून्य परिकल्पना निरस्त की जाती है अर्थात् कार्यक्रम का संचालन प्रमुखतः महाविद्यालय द्वारा स्नातकोत्तर (एम. एड.)/शोध छात्रों पर छोड देने से कार्यक्रम की गुणवत्ता से समझौता किया गया के संदर्भ में बी. एड. शिक्षकों के मत समान नहीं थे।" आगे यह देखने हेतु की किन वर्गों में यह अन्तर सार्थक है और किन में नहीं, जिसके लिये अवशिष्टों की गणना की गयी है, जिसे तालिका 5.1 में प्रस्तुत किया गया है।

तालिका 5.1

कार्यक्रम का संचालन प्रमुखतः महाविद्यालय द्वारा स्नातकोत्तर (एम. एड.)/शोध छात्रों पर छोड देने से कार्यक्रम की गुणवत्ता से समझौता किया गया के संदर्भ में शिक्षकों के विकल्पवार मतों के मानकीकृत अवशिष्ट मान

	अवलोकित आवृत्ति	अपेक्षित आवृत्ति	अवशिष्ट	मानकीकृत अवशिष्ट
पूर्णतः असहमत	16	20	-4	-0.894
असहमत	27	20	7	1.565
उदासीन	27	20	7	1.565
सहमत	27	20	7	1.565
पूर्णतः सहमत	3	20	-17	-3.801
कुल	100			

तालिका 5.1 से विदित होता है कि पूर्णतः सहमत के मानकीकृत अवशिष्ट मान 2.58 से अधिक है जो कि 0.01 स्तर पर सार्थक है, पूर्णतः सहमत विकल्प पर अपेक्षा से कम शिक्षकों ने सहमति प्रदान की है। जबकि अन्य विकल्पों के मानकीकृत अवशिष्ट मान 0.05 पर सार्थक नहीं हैं, असहमत, उदासीन एवं सहमत विकल्प पर अपेक्षा से अधिक शिक्षकों ने सहमति प्रदान की है परन्तु मानकीकृत अवशिष्ट मान 0.05 पर सार्थक नहीं हैं। निष्कर्षतः कह सकते हैं कि

अधिकांश शिक्षक मानते हैं कि कार्यक्रम का संचालन प्रमुखतः महाविद्यालय द्वारा स्नातकोत्तर (एम. एड.)/शोध छात्रों पर छोड देने से कार्यक्रम की गुणवत्ता से समझौता नहीं किया गया।

कथन 6 इन्टर्नशिप कार्यक्रम की पूरी अवधि के दौरान स्कूलों द्वारा पढ़ाने हेतु पर्याप्त कक्षाएँ प्रदान करना

तालिका 6.0

इन्टर्नशिप कार्यक्रम की पूरी अवधि के दौरान स्कूलों द्वारा पढ़ाने हेतु पर्याप्त कक्षाएँ दी गई के संदर्भ में शिक्षकों के मत हेतु काई वर्ग के मान

काई वर्ग	डी. एफ.	सार्थक मान
75.50[a]	4	0.000
a. 0 cells (0.0%) have expected frequencies less than 5. The minimum expected cell frequency is 20.0.		

तालिका से विदित होता है कि स्वतंत्रांश (df)=4 पर काई वर्ग का मान 75.50 है, जिसका सार्थकता मान 0.000 है जो कि 0.01 से कम है, अतः 0.01 स्तर पर सार्थक है। अतः उक्त कथन के संदर्भ में बी. एड. शिक्षकों के मत समान नहीं थे।" आगे यह देखने हेतु की किन वर्गों में यह अन्तर सार्थक है और किन में नहीं, जिसके लिये अवशिष्टों की गणना की गयी है, जिसे तालिका 6.1 में प्रस्तुत किया गया है।

तालिका 6.1

इन्टर्नशिप कार्यक्रम की पूरी अवधि के दौरान स्कूलों द्वारा पढ़ाने हेतु पर्याप्त कक्षाएँ दी गई *के संदर्भ में शिक्षकों के विकल्पवार मतों के मानकीकृत अवशिष्ट मान*

	अवलोकित आवृत्ति	अपेक्षित आवृत्ति	अवशिष्ट	मानकीकृत अवशिष्ट
पूर्णतः असहमत	3	20	-17	-3.801
टसहमत	16	20	-4	0.894
डदासीन	4	20	-16	-3.578
स्हमत	50	20	30	6.708
पूर्णतः सहमत	27	20	7	1.565
कुल	100			

तालिका 6.1 से विदित होता है कि सहमत एवं पूर्णतः असहमत एवं उदासीन विकल्पों के मानकीकृत अवशिष्ट मान 2. 58 से अधिक है जो कि 0.01 स्तर पर सार्थक है, सहमत विकल्प पर अपेक्षा से अधिक शिक्षकों ने सहमति प्रदान की है। जबकि पूर्णतः असहमत एवं उदासीन विकल्प पर अपेक्षा से कम शिक्षकों ने सहमति प्रदान की है। निष्कर्षतः कह सकते हैं कि औसतन शिक्षक मानते हैं कि इन्टर्नशिप कार्यक्रम की पूरी अवधि के दौरान स्कूलों द्वारा पढ़ाने हेतु पर्याप्त कक्षाएँ दी गई।

कथन 7 इन्टर्नशिप कार्यक्रम के दौरान शिक्षक–प्रशिक्षणार्थियों को प्राचार्य/प्रभारी शिक्षा की अरूचि/अनियक्रियता के कारण समुचित कार्य प्रदान नहीं करना

तालिका 7.0

इन्टर्नशिप कार्यक्रम के दौरान शिक्षक–प्रशिक्षणार्थियों को प्राचार्य/प्रभारी शिक्षा की अरूचि/ अनियक्रियता के कारण समुचित कार्य प्रदान नहीं किये गएके संदर्भ में शिक्षकों के मत हेतु काई वर्ग के मान

काई वर्ग	डी. एफ.	सार्थक मान
55.10[a]	4	0.000
a. 0 cells (0.0%) have expected frequencies less than 5. The minimum expected cell frequency is 20.0.		

तालिका से विदित होता है कि स्वतंत्रांश (df)=4 पर काई वर्ग का मान 55.10 है, जिसका सार्थकता मान 0.000 है जो कि 0.01 से कम है, अतः 0.01 स्तर पर सार्थक है। अतः उक्त कथन के संदर्भ में बी. एड. शिक्षकों के मत समान नहीं थे।" आगे यह देखने हेतु की किन वर्गों में यह अन्तर सार्थक है और किन में नहीं, जिसके लिये अवशिष्टों की गणना की गयी है, जिसे तालिका 7.1 में प्रस्तुत किया गया है।

तालिका 7.1

इन्टर्नशिप कार्यक्रम के दौरान शिक्षक–प्रशिक्षणार्थियों को प्राचार्य/प्रभारी शिक्षा की अरूचि/अनियक्रियता के कारण समुचित कार्य प्रदान नहीं किये गए*के संदर्भ में शिक्षकों के विकल्पवार मतों के मानकीकृत अवशिष्ट मान*

	अवलोकित आवृत्ति	अपेक्षित आवृत्ति	अवशिष्ट	मानकीकृत अवशिष्ट
पूर्णतः असहमत	11	20	-9	-2.012
असहमत	48	20	28	6.261
उदासीन	12	20	-8	-1.789
सहमत	22	20	2	0.447
पूर्णतः सहमत	7	20	13	-2.907
कुल	100			

तालिका 7.1 से विदित होता है कि असहमत एवं पूर्णतः सहमत के मानकीकृत अवशिष्ट मान 2.58 से अधिक है जो कि 0.01 स्तर पर सार्थक है, परन्तु असहमत विकल्प पर अपेक्षा से अधिक शिक्षकों ने अपनी सहमति दी है। पूर्णतः असहमत के मानकीकृत अवशिष्ट मान 1.96 एवं 2.58 के मध्य हैं अतः 0.05 पर सार्थक हैं, जिस पर अपेक्षा से कम शिक्षकों ने सहमति दी है। निष्कर्षतः कह सकते हैं कि औसतन शिक्षक मानते हैं कि इन्टर्नशिप कार्यक्रम के दौरान शिक्षक–प्रशिक्षणार्थियों को प्राचार्य/प्रभारी शिक्षा की अरूचि/अनियक्रियता के कारण समुचित कार्य प्रदान नहीं किये गए।

कथन 8 : इन्टर्नशिप में शिक्षक प्रशिक्षणार्थियों द्वारा नियमित शिक्षकों के अवलोकन की अनुमति नहीं देना

तालिका 8.0

इन्टर्नशिप में शिक्षक प्रशिक्षणार्थियों द्वारा नियमित शिक्षकों के अवलोकन की अनुमति नहीं दी गई के संदर्भ में शिक्षकों के मत हेतु काई वर्ग के मान

काई वर्ग	डी. एफ.	सार्थक मान
47.30[a]	4	0.000
a. 0 cells (0.0%) have expected frequencies less than 5. The minimum expected cell frequency is 20.0.		

तालिका से विदित होता है कि स्वतंत्रांश (df)=4 पर काई वर्ग का मान 47.30 है, जिसका सार्थकता मान 0.000 है जो कि 0.01 से कम है, अतः 0.01 स्तर पर सार्थक है। अतः उक्त कथनके संदर्भ में बी. एड. शिक्षकों के मत समान नहीं थे। आगे यह देखने हेतु की किन वर्गों में यह अन्तर सार्थक है और किन में नहीं, जिसके लिये अवशिष्टों की गणना की गयी है, जिसे तालिका 8.1 में प्रस्तुत किया गया है।

तालिका 8.1

इन्टर्नशिप में शिक्षक प्रशिक्षणार्थियों द्वारा नियमित शिक्षकों के अवलोकन की अनुमति नहीं दी गईके संदर्भ में शिक्षकों के विकल्पवार मतों के मानकीकृत अवशिष्ट मान

	अवलोकित आवृत्ति	अपेक्षित आवृत्ति	अवशिष्ट	मानकीकृत अवशिष्ट
पूर्णतः असहमत	17	20	-3	-0.671
असहमत	46	20	26	5.814
उदासीन	12	20	-8	-1.789
सहमत	19	20	-1	-0.224
पूर्णतः सहमत	6	20	-14	-3.131
कुल	100			

तालिका 8.1 से विदित होता है कि असहमत एवं पूर्णतः सहमत के मानकीकृत अवशिष्ट मान 2.58 से अधिक है जो कि 0.01 स्तर पर सार्थक है, परन्तु असहमत विकल्प पर अपेक्षा से अधिक शिक्षकों ने अपनी सहमति प्रदान की है। जबकि अन्य समस्त चार विकल्पों पर अपेक्षा से कम शिक्षकों ने सहमति प्रदान की है। निष्कर्षतः कह सकते हैं कि लगभग औसत शिक्षक मानते हैं कि इन्टर्नशिप में शिक्षक प्रशिक्षणार्थियों द्वारा नियमित शिक्षकों के अवलोकन की अनुमति नहीं दी गई।

कथन 9 शिक्षकों की अनुपस्थिति के कारण तैयार किये गए दैनिक पंजी, साथी अवलोकन रजिस्टर आदि का नियमित निरीक्षण नहीं होना

तालिका 9.0

शिक्षकों की अनुपस्थिति के कारण तैयार किये गए दैनिक पंजी, साथी अवलोकन रजिस्टर आदि का नियमित निरीक्षण नहीं हो पायाके संदर्भ में शिक्षकों के मत हेतु काई वर्ग के मान

काई वर्ग	डी. एफ.	सार्थक मान
90.50[a]	4	0.000
a. 0 cells (0.0%) have expected frequencies less than 5. The minimum expected cell frequency is 20.0.		

तालिका से विदित होता है कि स्वतंत्रांश (df)=4 पर काई वर्ग का मान 90.50 है, जिसका सार्थकता मान 0.000 है जो कि 0.01 से कम है, अतः 0.01 स्तर पर सार्थक है। अतः उक्त कथन के संदर्भ में बी. एड. शिक्षकों के मत समान नहीं थे।" आगे यह देखने हेतु की किन वर्गों में यह अन्तर सार्थक है और किन में नहीं, जिसके लिये अवशिष्टों की गणना की गयी है, जिसे तालिका 9.1 में प्रस्तुत किया गया है।

तालिका 9.1

शिक्षकों की अनुपस्थिति के कारण तैयार किये गए दैनिक पंजी, साथी अवलोकन रजिटर आदि का नियमित निरीक्षण नहीं हो पाया के संदर्भ में शिक्षकों के विकल्पवार मतों के मानकीकृत अवशिष्ट मान

	अवलोकित आवृत्ति	अपेक्षित आवृत्ति	अवशिष्ट	मानकीकृत अवशिष्ट
पूर्णतः असहमत	15	20	-5	-1.118
असहमत	57	20	37	8.273
उदासीन	8	20	-12	-2.683
सहमत	16	20	-4	-0.894
पूर्णतः सहमत	4	20	-16	-3.578
कुल	100			

तालिका 9.1 से विदित होता है कि असहमत उदासीन एवं पूर्णतः सहमत के मानकीकृत अवशिष्ट मान 2.58 से अधिक है जो कि 0.01 स्तर पर सार्थक है, उपरोक्त कथन के संदर्भ में असहमत विकल्प पर अपेक्षा से अधिक शिक्षकों ने सहमति प्रदान की है जबकि अन्य विकल्पों पर अपेक्षा से कम शिक्षकों ने सहमति प्रदान की है। निष्कर्षतः कह सकते हैं कि लगभग औसत से अधिक शिक्षक मानते हैं कि शिक्षकों की अनुपस्थिति के कारण तैयार किये गए दैनिक पंजी, साथी अवलोकन रजिटर आदि का नियमित निरीक्षण नहीं हो पाया।

कथन 10 शिक्षकों की अनुपस्थिति में शिक्षक प्रशिक्षणार्थियों को विद्यालयों की सांस्कृतिक गतिविधियों में सहभागिता के अवसर प्राप्त

तालिका 10.0
शिक्षकों की अनुपस्थिति में शिक्षक प्रशिक्षणार्थियों को विद्यालयों की सांस्कृतिक गतिविधियों में सहभागिता के अवसर प्राप्त हुए के संदर्भ में शिक्षकों के मत हेतु काई वर्ग के मान

काई वर्ग	डी. एफ.	सार्थक मान
80.20[a]	4	0.000
a. 0 cells (0.0%) have expected frequencies less than 5. The minimum expected cell frequency is 20.0.		

तालिका से विदित होता है कि स्वतंत्रांश (df)=4 पर काई वर्ग का मान 80.20 है, जिसका सार्थकता मान 0.000 है जो कि 0.01 से कम है, अतः 0.01 स्तर पर सार्थक है। अतः यह कहा जा सकता है कि शिक्षकों की अनुपस्थिति में शिक्षक प्रशिक्षणार्थियों को विद्यालयों की सांस्कृतिक गतिविधियों में सहभागिता के अवसर प्राप्त हुए। आगे यह देखने हेतु की किन वर्गों में यह अन्तर सार्थक है और किन में नहीं, जिसके लिये अवशिष्टों की गणना की गयी है, जिसे तालिका 10.0 में प्रस्तुत किया गया है।

तालिका 10.1
शिक्षकों की अनुपस्थिति में शिक्षक प्रशिक्षणार्थियों को विद्यालयों की सांस्कृतिक गतिविधियों में सहभागिता के अवसर प्राप्त हुए के संदर्भ में शिक्षकों के विकल्पवार मतों के मानकीकृत अवशिष्ट मान

	अवलोकित आवृत्ति	अपेक्षित आवृत्ति	अवशिष्ट	मानकीकृत अवशिष्ट
पूर्णतः असहमत	3	20	-17	-3.801
असहमत	19	20	-1	-0.224
उदासीन	5	20	-15	-3.354
सहमत	53	20	33	7.379
पूर्णतः सहमत	20	20	0	0
कुल	100			

तालिका 10.1 से विदित होता है कि सहमत, पूर्णतः असहमत एवं उदासीन विकल्पों के मानकीकृत अवशिष्ट मान 2.58 से अधिक है जो कि 0.01 स्तर पर सार्थक है, उपरोक्त कथन के संदर्भ में सहमत विकल्प पर अपेक्षा से अधिक शिक्षकों ने सहमति प्रदान की है जबकि पूर्णत असहमत एवं उदासीन विकल्प पर अपेक्षा से कम शिक्षकों ने सहमति प्रदान की है। निष्कर्षतः कह सकते हैं कि औसत शिक्षक मानते हैं कि शिक्षकों की अनुपस्थिति में शिक्षक प्रशिक्षणार्थियों को विद्यालयों की सांस्कृतिक गतिविधियों में सहभागिता के अवसर प्राप्त हुए ।

कथन 11 शिक्षकों द्वारा इन्टर्नशिप में अन्य गतिविधियो की तुलना में केवल पाठ योजना व उसके प्रस्तुतीकरण पर अत्यधिक जोर दिया गया

तालिका 11.0

शिक्षकों द्वारा इन्टर्नशिप में अन्य गतिविधियो की तुलना में केवल पाठ योजना व उसके प्रस्तुतीकरण पर अत्यधिक जोर दिया गया के संदर्भ में शिक्षकों के मत हेतु काई वर्ग के मान

काई वर्ग	डी. एफ.	सार्थक मान
39.30[a]	4	0.000
a. 0 cells (0.0%) have expected frequencies less than 5. The minimum expected cell frequency is 20.0.		

तालिका से विदित होता है कि स्वतंत्रांश (df)=4 पर काई वर्ग का मान 39.30 है, जिसका सार्थकता मान 0.000 है जो कि 0.01 से कम है, अतः 0.01 स्तर पर सार्थक है। अतः उक्त कथन के संदर्भ में बी. एड. शिक्षकों के मत समान नहीं थे।" आगे यह देखने हेतु की किन वर्गों में यह अन्तर सार्थक है और किन में नहीं, जिसके लिये अवशिष्टों की गणना की गयी है, जिसे तालिका 11.1 में प्रस्तुत किया गया है।

तालिका 11.1

शिक्षकों द्वारा इन्टर्नशिप में अन्य गतिविधियो की तुलना में केवल पाठ योजना व उसके प्रस्तुतीकरण पर अत्यधिक जोर दिया गया के संदर्भ में शिक्षकों के विकल्पवार मतों के मानकीकृत अवशिष्ट मान

	अवलोकित आवृत्ति	अपेक्षित आवृत्ति	अवशिष्ट	मानकीकृत अवशिष्ट
पूर्णतः असहमत	8	20	-12	-2.683
असहमत	28	20	8	1.789
उदासीन	7	20	-13	-2.907
सहमत	40	20	20	4.472
पूर्णतः सहमत	17	20	-3	-0.671
कुल	100			

तालिका 11.1 से विदित होता है कि सहमत एवं पूर्णतः असहमत एवं उदासीन विकल्पों के मानकीकृत अवशिष्ट मान 2. 58 से अधिक है जो कि 0.01 स्तर पर सार्थक है, उपरोक्त कथन के संदर्भ में सहमत विकल्प पर अपेक्षा से अधिक शिक्षकों ने सहमति प्रदान की है जबकि पूर्णत असहमत एवं उदासीन विकल्प पर अपेक्षा से कम शिक्षकों ने सहमति प्रदान की है। निष्कर्षतः कह सकते हैं कि औसत से कम शिक्षक मानते हैं कि शिक्षकों द्वारा इन्टर्नशिप में अन्य गतिविधियो की तुलना में केवल पाठ योजना व उसके प्रस्तुतीकरण पर अत्यधिक जोर दिया गया।

कथन 12 इन्टर्नशिप में शोध छात्रों व एम.एड. के छात्रों द्वारा गंभीरतापूर्वक पर्यवेक्षण नहीं

तालिका 12.0

इन्टर्नशिप मेंशोध छात्रों व एम.एड. के छात्रों द्वारा गंभीरतापूर्वक पर्यवेक्षण नहीं किया गयाके संदर्भ में शिक्षकों के मत हेतु काई वर्ग के मान

काई वर्ग	डी. एफ.	सार्थक मान
29.30[a]	4	0.000
a. 0 cells (0.0%) have expected frequencies less than 5. The minimum expected cell frequency is 20.0.		

तालिका से विदित होता है कि स्वतंत्रांश (df)=4 पर काई वर्ग का मान 29.30 है, जिसका सार्थकता मान 0.000 है जो कि 0.01 से कम है, अतः 0.01 स्तर पर सार्थक है। अतः उक्त कथन के संदर्भ में बी. एड. शिक्षकों के मत समान नहीं थे।" आगे यह देखने हेतु की किन वर्गों में यह अन्तर सार्थक है और किन में नहीं, जिसके लिये अवशिष्टों की गणना की गयी है, जिसे तालिका 12.1 में प्रस्तुत किया गया है।

तालिका 12.1
इन्टर्नशिप में शोध छात्रों व एम.एड. के छात्रों द्वारा गंभीरतापूर्वक पर्यवेक्षण नहीं किया गयाके संदर्भ में शिक्षकों के विकल्पवार मतों के मानकीकृत अवशिष्ट मान

	अवलोकित आवृत्ति	अपेक्षित आवृत्ति	अवशिष्ट	मानकीकृत अवशिष्ट
पूर्णतः असहमत	16	20	-4	-0.894
असहमत	39	20	19	4.248
उदासीन	22	20	2	0.447
सहमत	17	20	-3	-0.671
पूर्णतः सहमत	6	20	-14	-3.131
कुल	100			

तालिका 12.1 से विदित होता है कि असहमत एवं पूर्णतः सहमत के मानकीकृत अवशिष्ट मान 2.58 से अधिक है जो कि 0.01 स्तर पर सार्थक है, उपरोक्त कथन के संदर्भ में असहमत विकल्प पर अपेक्षा से अधिक शिक्षकों ने सहमति प्रदान की है जबकि असहमत, पूर्णत असहमत, सहमत एवं पूर्णतः सहमत विकल्प पर अपेक्षा से कम शिक्षकों ने सहमति प्रदान की है। निष्कर्षतः कह सकते हैं कि औसत से कम शिक्षक मानते हैं कि इन्टर्नशिप में शोध छात्रों व एम.एड. के छात्रों द्वारा गंभीरतापूर्वक पर्यवेक्षण नहीं किया गया।

कथन 13 इन्टर्नशिप में की समस्त गतिविधियाँ केवल विद्यालय द्वारा नियंत्रित/प्रभावित रही

तालिका 13.0
इन्टर्नशिप में की समस्त गतिविधियाँ केवल विद्यालय द्वारा नियंत्रित/प्रभावित रही के संदर्भ में शिक्षकों के मत हेतु काई वर्ग के मान

काई वर्ग	डी. एफ.	सार्थक मान
61.70[a]	4	0.000
a. 0 cells (0.0%) have expected frequencies less than 5. The minimum expected cell frequency is 20.0.		

तालिका से विदित होता है कि स्वतंत्रांश (df)=4 पर काई वर्ग का मान 61.70 है, जिसका सार्थकता मान 0.000 है जो कि 0.01 से कम है, अतः 0.01 स्तर पर सार्थक है। अतः उक्त कथन के संदर्भ में शिक्षकों के मत समान नहीं थे।" आगे यह देखने हेतु की किन वर्गों में यह अन्तर सार्थक है और किन में नहीं, जिसके लिये अवशिष्टों की गणना की गयी है, जिसे तालिका 13.1 में प्रस्तुत किया गया है।

तालिका 13.1

इन्टर्नशिप में की समस्त गतिविधियाँ केवल विद्यालय द्वारा नियंत्रित/प्रभावित रही *के संदर्भ में शिक्षकों के विकल्पवार मतों के मानकीकृत अवशिष्ट मान*

	अवलोकित आवृत्ति	अपेक्षित आवृत्ति	अवशिष्ट	मानकीकृत अवशिष्ट
पूर्णतः असहमत	11	20	-9	-2.012
असहमत	30	20	10	2.236
उदासीन	4	20	-16	-3.578
सहमत	46	20	26	5.514
पूर्णतः सहमत	9	20	-11	-2.460
कुल	100			

तालिका 13.1 से विदित होता है कि सहमत एवं उदासीन विकल्प के मानकीकृत अवशिष्ट मान 2.58 से अधिक है जो कि 0.01 स्तर पर सार्थक है, एवं अन्य तीन विकल्पों पूर्णतः असहमत, असहमत एवं पूर्णतः सहमत विकल्प के मानकीकृत अवशिष्ट मान 1.96 एवं 2.58 के मध्य हैं अतः 0.05 पर सार्थक हैं, उपरोक्त कथन के संदर्भ में सहमत एवं असहमत विकल्प पर अपेक्षा से अधिक शिक्षकों ने सहमति प्रदान की है जबकि पूर्णत असहमत, उदासीन एवं पूर्णतः सहमत विकल्प पर अपेक्षा से कम शिक्षकों ने सहमति प्रदान की है। निष्कर्षतः कह सकते हैं कि लगभग औसत शिक्षक मानते हैं कि इन्टर्नशिप में की समस्त गतिविधियाँ केवल विद्यालय द्वारा नियंत्रित/प्रभावित रही।

कथन 14 इन्टर्नशिप के दौरान विद्यालय ने शिक्षक प्रशिक्षणार्थियों को पूर्ण सहयोग प्रदान किया

तालिका 14.0

इन्टर्नशिप के दौरान विद्यालय ने शिक्षक प्रशिक्षणार्थियों को पूर्ण सहयोग प्रदान किया के संदर्भ में शिक्षकों के मत हेतु काई वर्ग के मान

काई वर्ग	डी. एफ.	सार्थक मान
98.60[a]	4	0.000
a. 0 cells (0.0%) have expected frequencies less than 5. The minimum expected cell frequency is 20.0.		

तालिका से विदित होता है कि स्वतंत्रांश (df)=4 पर काई वर्ग का मान 98.60 है, जिसका सार्थकता मान 0.000 है जो कि 0.01 से कम है, अतः 0.01 स्तर पर सार्थक है। अतः उक्त कथन के संदर्भ में बी. एड. शिक्षकों के मत समान नहीं थे।" आगे यह देखने हेतु की किन वर्गों में यह अन्तर सार्थक है और किन में नहीं, जिसके लिये अवशिष्टों की गणना की गयी है, जिसे तालिका 14.1 में प्रस्तुत किया गया है।

तालिका 14.1

इन्टर्नशिप के दौरान विद्यालय ने शिक्षक प्रशिक्षणार्थियों को पूर्ण सहयोग प्रदान कियाके संदर्भ में शिक्षकों के विकल्पवार मतों के मानकीकृत अवशिष्ट मान

	अवलोकित आवृत्ति	अपेक्षित आवृत्ति	अवशिष्ट	मानकीकृत अवशिष्ट
पूर्णतः असहमत	3	20	-17	-3.801
असहमत	5	20	-15	-3.354
उदासीन	4	20	-16	-3.578
सहमत	49	20	29	6.485
पूर्णतः सहमत	39	20	20	4.472
कुल	100			

तालिका 14.1 से विदित होता है कि उपरोक्त कथन के संदर्भ में समस्त विकल्पों के मानकीकृत अवशिष्ट मान 2.58 से अधिक है जो कि 0.01 स्तर पर सार्थक है, उपरोक्त कथन के संदर्भ में सहमत एवं पूर्णतः सहमत विकल्प पर अपेक्षा से अधिक शिक्षकों ने सहमति प्रदान की है जबकि असहमत, पूर्णत असहमत एवं उदासीन विकल्प पर अपेक्षा से कम शिक्षकों ने सहमति प्रदान की है। निष्कर्षतः कह सकते हैं कि अधिकांश शिक्षक मानते हैं कि इन्टर्नशिप के दौरान विद्यालय ने शिक्षक प्रशिक्षणार्थियों को पूर्ण सहयोग प्रदान किया।

निष्कर्ष

इंटर्नशिप के दौरान शिक्षक–प्रशिक्षणार्थियों को कार्यालयीन कार्यों का कौशल प्राप्त करने के पर्याप्त अवसर मिले, इंटर्नशिप कार्यक्रम अपने उद्देश्यों को पूर्ण करने में सफल रहा, स्कूलों द्वारा पढ़ाने हेतु पर्याप्त कक्षाएं दी गई, विद्यालय की सांस्कृतिक गतिविधियों में सहभागिता के अवसर प्राप्त हुए, विद्यालय में शिक्षक प्रशिक्षणार्थियों को पूर्ण सहयोग प्रदान किया। वहीं दूसरी ओर विद्यालय स्थानबद्व प्रशिक्षण (इंटर्नशिप) के दौरान शिक्षक प्रशिक्षणार्थियों से मुख्यतः विषय की कक्षायें ही पढ़वाई गई, महाविद्यालय के शिक्षकों का पर्याप्त मार्गदर्शन नहीं मिल पाया, स्नातकोत्तर एवं शोध छात्रों पर छोड़ देने से कार्यक्रम की गुणवत्ता से समझौता किया गया, अनिष्क्रियता के कारण समुचित कार्य प्रदान नहीं किए गए, पाठ अवलोकन की अनुमति नहीं दी गई, दैनिक पंजी, साथी अवलोकन रजिस्टर आदि का नियमित निरीक्षण नहीं हो पाया, पाठ योजना व उसके प्रस्तुतीकरण पर अधिक जोर दिया गया, शोध छात्रों व एम.एड़. के छात्रों द्वारा गंभीरता पूर्वक पर्यवेक्षण नहीं किया गया, समस्त गतिविधियां विद्यालय द्वारा नियंत्रित रही।

सुझाव

इंटर्नशिप में प्रशिक्षणार्थियों का गंभीरतापूर्वक पर्यवेक्षण किया जाना चाहिए। महाविद्यालय प्रशासकों द्वारा इंटर्नशिप में प्रशिक्षणार्थियों के पर्यवेक्षण हेतु उचित व्यवस्था कर समय–सारणी में शिक्षक प्रशिक्षकों को इंटर्नशिप के लिए विद्यालयों में निरीक्षण भेजना चाहिए।

संदर्भ ग्रंथ

Adhikari, A. (2017). A study on the perceptions of the trainees towards two years B.Ed. program implemented in the teacher education institutions in Asam. *International Journal off Scientific and Research Publications, 1(9)*, 385-388. http://www.ijsrp.org/research-paper- 0917,php?=rp696806

Hemambujam, K. (1983). A Critical Study of Teacher Education at Secondary Level in Tamil Nadu. *M. B. Buch (Ed.), Fourth Survey of Research in Education 1983-88, Vol. 2, p. 943.* NCERT.

Kakkad, G.M. (1983). Secondary teacher education curriculum: *An analytical studies and developing teacher education program*, [Ph.D. Thesis] http://shodhganga.inflibnet.ac.in /bitstream/10603/8790

NCTE. (2014). Curriculum Framework of Two Years B.Ed. Program 2014. National Council of Teacher Education. National Council of Teacher Education. .

NCTE (2014). Regulation 2014 and Norms and Standard, NCTE. http://ncte-India.org/surriculum%20Framework. National Council of Teacher Education.

Sao, S. and Bahera, S.K. (2014). Students teachers attitude towards two year B.Ed. program with reference to NCTE Regulation, 2014. *International RefereedJournal of Education, 2(3),*9-24. http://pedagogy of learning.com.

Sharma, S. (2014). Critical analysis of constructivism in contemporary teaching environment-including users (CHILDREN, TEACHERS). *Scholarly Research Journal for Interdisciplinary Studies, 3(19),* 458-464.

Srivastva, K. M. (1982). Effectiveness of the teacher education programme. M. B. Buch (Ed.), Fourth Survey of Research in Education 1983-88, Vol. 2, p. 994. NCERT

Srivastava, K., Sodha, M. and Vashishtha, U. (1997). Teacher Education in Twenty First Century – Challenges and Opportunities. *University News, 35 (45),* 1-7.

Thomas, S.J. and Tejwani, S. (2017). Perception of student teachers regarding internship program. *Edutracks, 17(3), 36-38.*

यादव, एस. (2002). प्रशिक्षण स्तर के उन्नयन में राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद के योगदान का अध्ययन. (पी–एच.डी., शिक्षाशास्त्र, छत्रपति साहूजी महाराज विश्वविद्यालय). http://hdl.handle.net/10603/260597

राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा (2005). राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद.

राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा पाठ्यचर्या प्रारूप (2009). राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद.